

राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार 2023 से सम्मानति हुए प्रदेश के पाँच शक्तिषक

चर्चा में क्यों?

- 5 सतिंबर, 2023 को राष्ट्रपतिद्वारोपदी मुरमू ने शक्तिषक दविस के अवसर पर नई दल्लि के वज्जिज्ञान भवन में आयोजति समारोह में मध्य प्रदेश के पाँच शक्तिषकों को राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार, 2023 से सम्मानति कयि।

प्रमुख बदि

- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपतिद्वारोपदी मुरमू ने वज्जिज्ञान भवन में आयोजति समारोह में देशभर के कुल 75 चयनति शक्तिषकों को वर्ष 2023 के राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार प्रदान कयि।
- इस शक्तिषक सम्मान समारोह में सभी पुरस्कृत शक्तिषकों को पुरस्कारस्वरूप 50 हजार रुपए नकद, प्रशस्त-पत्र, शॉल, श्रीफल दिया गया।
- राष्ट्रपतिद्वारोपदी मुरमू ने समारोह में नरमदापुरम की सारकिा घारू, इंदौर की चेतना खंबटे, भोपाल के डॉ. यशपाल सहि, दतिया के रवकिांत मशिआ और रतलाम की सीमा अग्नहोत्रि को राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार प्रदान कयि।
- नरमदापुरम के पपिरयिा स्थति शासकीय उच्चतर माध्यमकि वदियालय की शक्तिषकिा सारकिा घारू ने जनजातीय छात्रों का नामांकन बढ़ाने के लयि अपनी कक्षा को मस्ती की पाठशाला बनाया। इनके परशिरम से वदियालय के जनजातीय छात्रों ने कई पुरस्कार प्राप्त कयि हैं।
- इंदौर के केंद्रीय वदियालय नंबर 2, बीएसएफ की शक्तिषकिा चेतना खंबटे 18 वर्षों से रुचकिर तरीके से जीववज्जिज्ञान का अध्यापन कर रही हैं। इन्होंने वज्जिज्ञान प्रयोगशाला के लयि 3-डी मॉडल और इंटरएक्टिव शक्तिषण सामग्री वकिसति की है।
- भोपाल के एकलव्य आदर्श आवासीय वदियालय के डॉ. यशपाल सहि को सामाजकि बदलाव लाने और शक्तिषण क्षेत्र के प्रयासों के लयि पुरस्कृत कयि गया। छात्रों को ज्ञान देने के साथ उन्होंने पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों और बाल वविाह, दहेज जैसी कुरीतयिों के वरिद्ध समाज में जागरूकता लाने का सराहनीय प्रयास कयि है।
- दतिया के बीकर स्थति जवाहर नवोदय वदियालय के रवकिांत मशिआ को तकनीक के उपयोग से शक्तिषा को सरल और रोमांचक बनाने के लयि पुरस्कृत कयि गया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर पढ़ाने, पीएम ई-वदिया राष्ट्रीय चैनलों पर सजीव कक्षा लेने और स्वास्थ्य जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता लाने जैसे कई कदम उठाए हैं।
- रतलाम के सीएम राइज शासकीय वनिोबा उच्चतर माध्यमकि शाला की सीमा अग्नहोत्रि को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से शक्तिषण सामग्री को आनंददायक बनाने के लयि सम्मानति कयि गया। शक्तिषा को रुचकिर बनाने के लयि उन्होंने समुदाय को शामिल कर कहानी पढ़ने की प्रतयिोगति, समाचार-पत्र लेखन, नाटक और नृत्य प्रतयिोगति आयोजति की है।
- राष्ट्रीय शक्तिषक दविस:**
 - वर्ष 1962 से प्रतविर्ष 5 सतिंबर को मनाए जाने वाले इस दविस का उद्देश्य भारत में स्कूल अध्यापकों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहति अन्य शक्तिषकों के योगदान का सम्मान करना है।
 - भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने छात्रों के उत्सव के अनुरोध की प्रतिक्रिया में उनके जन्मदिन को शक्तिषक दविस के रूप में मनाने का सुझाव दयि था।
- राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार:**
 - राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार का उद्देश्य देश के कुछ बेहतरीन शक्तिषकों के अनूठे योगदान का जश्न मनाना तथा उन शक्तिषकों को सम्मानति करना है, जिन्होंने अपनी प्रतबिद्धता के माध्यम से न केवल शक्तिषा की गुणवत्ता में सुधार कयि है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।
 - ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 5 सतिंबर को भारत के राष्ट्रपतिद्वारा प्रदान कयि जाते हैं।
 - पुरस्कार में एक रजत पदक, एक प्रमाण-पत्र एवं 50,000 रुपए की नकद राशि शामिल है।
 - इस वर्ष पुरस्कार के दायरे में स्कूली शक्तिषा तथा साक्षरता वभिाग द्वारा चयनति शक्तिषकों के अतिरिक्त उच्च शक्तिषा वभिाग एवं कौशल वकिास मंत्रालय द्वारा चयनति शक्तिषकों को भी शामिल कयि गया है।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/5-teachers-of-the-state-were-honoured-with-the-national-teacher-award-2023>

